अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SCHEME OF EXAMINATION & DISTRIBUTION OF MARKS

SEMESTER - I

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन	20	80	100
2.	तुलनात्मक राजनीति	20	80	100
3.	लोक प्रशासन	20	80	100
4.	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति	20	80	100

SEMESTER - II

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन	20	80	100
2.	समकालीन राजनीतिक मुद्दे	20	80	100
3.	शोध प्रविधि	20	80	100
4.	अंतर्राष्ट्रीय संगठन	20	80	100

SEMESTER - III

क्र.	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	भारतीय शासन व राजनीति	20	80	100
2.	भारत की विदेश नीति–सिद्धांत व व्यवहार	20	80	100
3.	अंतर्राष्ट्रीय कानून	20	80	100
4.	भारत में संघात्मक प्रणाली	20	80	100

SEMESTER - IV

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्नपत्र का नाम	Internal Assessment	Term End Exam	Total Marks
1.	भारत में राज्यों की राजनीति	20	80	100
2.	राजनय के सिद्धांत व व्यवहार	20	80	100
3.	मनव अधिकार – समस्या व संभावनायें	20	80	100
4.	भारत में स्थानीय स्वशासन	20	80	100

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER - I

पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन

यह प्रश्न पत्र का राजनीतिक सिद्धांत के अर्थ एवं महत्व पर बल देते हुये यह स्पष्ट करता है कि इसका विकास कैसे हुआ है तथा आज इसकी प्रासंगिकता क्या है? यह शास्त्रीय राजनीतिक सिद्धांतों के निरंतर महत्वपूर्ण होने की व्याख्या करता है तथा हाल ही में वर्षो में विकसित हुये नये दृष्टिकोणों को भी सम्मिलित करता है जिससे शास्त्रीय सिद्धांतों की सीमाएं स्पष्ट हुई है। इसमें राजनीतिक सिद्धांतों की विभिन्न व्याख्याओं का परीक्षण भी किया गया है साथ ही राजनीतिक सिद्धांत के पतन की बहस तथा उसके पुनरूत्थान के कारणों का भी परीक्षण किया गया है। उसके साथ ही कुछ पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों का अध्ययन शामिल किया गया है।

इकाई – 1 यूनानी राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं– प्लेटो– आदर्श राज्य– न्याय, शिक्षा, साम्यवाद, दार्शनिक शासक, अरस्तू– राजनीति विज्ञान का जनक, राज्य संबंधी विचार, संविधानों का वर्गीकरण, दासता का सिद्धांत, संपत्ति व परिवार संबंधी विचार एवं क्रांति का सिद्धांत

इकाई – 2 रोमन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं– मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन की विशेषताएं, मैकियावेलीः पुनर्जागरण का शिशु, मानव स्वभाव संबंधी विचार धर्म व नैतिकता पृथक्करण संबंधी विचार, राज्य संबंधी विचार आधुनिक राजनीतिक चिंतन का जनक

इकाई – 3 हॉब्सः सामाजिक समझौता संबंधी विचार लॉकः सामाजिक समझौता संबंधी विचार, रूसोः सामाजिक समझौता संबंधी विचार, सामान्य इच्छा सिद्धांत मान्टेस्क्यूः शक्ति पृथक्करण सिद्धांत

इकाई – 4 बेन्थमः उपयोगितावादी सिद्धांत, जे.एस.मिलः उपयोगितावाद में संशोधन, स्वतंत्रता पर विचार, प्रतिनिध्यात्मक संबंधी विचार हीगलः द्वंदात्मक भौतिकवाद, राजनैतिक विचार, टी.एच.ग्रीनः स्वतंत्रता की अवधारणा, अधिकार, सम्प्रभुता, राज्य का आधार– शक्ति नहीं इच्छा

इकाई – 5 कार्ल मार्क्सःद्वन्दात्मक भौतिकवाद, इतिहास की आर्थिक व्याख्या वर्ग–संघर्ष सिद्धांत, अतिरिक्त मूल्य का सिद्धांत, लास्कीः राज्य संबंधी विचार, सम्प्रभुता विचार, बहुलवादी सिद्धांत

संदर्भ ग्रंथ –

1. राजनारायण गुप्ता पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, किताब महल
2. के. एल.वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, नंदकिशोर बंधु, बनारस
3. डॉ. के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं (भाग 1 व 2)
4. डॉ. बी.आर. पुरोहित, बीसवीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएं
5. डॉ. रामकुमार अवस्थी, राजनीति शास्त्र के नये क्षितिज, भाग 1 व 2, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
6. डॉ. चंद्रप्रकाश बर्थवाल तथा पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
7. डॉ. हरिद्वारराय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण
8. Cobban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-327.
9. D. Waston, The future of the Postbehavioural Phase in Political Science, in contemporary Empirical Political Theory, K.R. Manroe (ed.) Berkeley, University of California Press. 1997.
10. J. Hampton, Political Philosophy, USA, West view press, 1997.
11. Heywood, Political Theory: An Introduction, London Macmillan, 1999.
12. Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hymn, 1990.
13. Appadora, political thoughts the ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.

SEMESTER I
PAPER – 1
WESTERN POLITICAL THOUGHT

Course Rational:

This paper focuses on the nature and significance of political theory as it evolved and analyses its contemporary relevance. It exsplains the continuing siginificance of the study of the calssics and indicates and indicates its shoutcomings by underlining the need to incorporate new perspectives that have arisen in recent past. Furthemore the debate about the decline and the subsequent reasons for revive of political theory is examined in addition it provides the study of some wester political thinkers.

Unit – I

Greek Political Thought: Characterstics, **Plato:** Ideal state, Therory of Justice, Theory of Education. Theory of Communism, Theory of Philosopher king. **Aristole**: The father of political science, Theory of the state, Classification of constitution, Theory of slavery. Views on property and family, Theory of Revoluation.

Unit – II

Roman Political Thought: Characterstics, Medieval political thought: characterstics **Machiavelli**: As the child of his time, Ideas of Human Nature, Separation of Politics and religion and Morality, views on state, Father of modern political thought.

Unit – III

Hobbes: social contract theory, **Locke**: Social contranct theory, **Rousseau**: Social contract theory. Theory of general will. Montesque: Power distribution Theory

Unit – IV

Bantham: Theory of Utilitarianism, J.S. **Mill**: Utilitarianism, Revised edition of Benthemism on liberty, Conception of Representative Government. **Heegel**: Dialectical method, political view. **J.H. Green**: Concepts of liberty, Concepts of Rights, Soverginity, will not force is the basic of state.

Unit – V

Karl Marks: Dialectical Materialism. Materialistic or Economic, Interpretation of History, Theory of surplus value, **Laski:** views on state on sovergenity, The Pluralistic concepts.

Reference Book:

1. Cabban, "The Decline of Political Theory", Political Science Quarterly, 1953, LXVII, PP. 321-337.

2. D. Waston, The future of the Postbehavioural phase in Political Science, in contemporaty Empirical Political Theory, K.R. Monroe (ed). Berkeley, University of California Press. 1997.
3. J. Hampton, Political Philosophy, USA, Westview press, 1997.
4. Heywood, Political Theory: An Introduction, London Macmillan, 1999.
5. Dobson Green Political Thought, London, Unwin Hymn, 1990.
6. Appadora, Political Thought through the Ages, Delhi, Khanna Publishers, 1992.
7. राजनारायण गुप्ता पाश्चात्य राजदर्शन का इतिहास, किताब महल
8. के. एल.वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास, प्राचीन एवं मध्यकालीन, नंदकिशोर बंधु, बनारस
9. डॉ. के.एल. वर्मा, पाश्चात्य राजनीतिक विचारधाराएं (भाग 1 व 2)
10. डॉ. बी.आर. पुरोहित, बीसवीं शताब्दी के राजनीतिक चिंतन की प्रमुख धाराएं
11. डॉ. रामकुमार अवस्थी, राजनीति शास्त्र के नये क्षितिज, भाग 1 व 2, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
12. डॉ. चंद्रप्रकाश बर्थवाल तथा पाण्डेय, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण, उत्तरप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, लखनऊ
13. डॉ. हरिद्वारराय, डॉ. भोला प्रसाद सिंह, आधुनिक राजनीतिक विश्लेषण

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER– II

तुलनात्मक राजनीति

यह प्रश्न पत्र तुलनात्मक राजनीति के सैद्धांतिक विकास और दृष्टिकोणों का विश्लेषण करता है। यह प्रश्न पत्र व्यवस्थाओं की विशेषताओं की विशेषताओं और प्रक्रियाओं की विभिन्नताओं पर प्रकाश डालने, तुलनात्मक विश्लेषण की ठोस प्रविधियों तथा वैकल्पिक सैद्धांतिक प्रतिमानों एवं व्याख्याओं की समझ विकसित करने का प्रयत्न करता है। यह तुलनात्मक विश्लेषण करता है।

इकाई – 1 :तुलनात्मक राजनीति – उद्भव अर्थ, प्रकृति क्षेत्र,राजनीतिक व्यवस्थाओं के अध्ययन की तुलनात्मक पद्धति, दृष्टिकोण – राजनैतिक समाज शास्त्र, राजनैतिक अर्थशास्त्र

इकाई – 2 :राजनैतिक व्यवस्था – उपागम एवं विश्लेषण (डेविड ईस्टन), संरचनात्मक प्रकार्यात्मक उपागम व विश्लेषण (आमण्ड व पावेल), राजनीतिक संस्कृति एवं राजनीतिक समाजीकरण

इकाई – 3 :राजनीतिक विकास – उपागम एवं विश्लेषण (लुसियन पाई, आमण्ड–हटिंगटन, आर्गेन्सकी), राजनीतिक संस्थाएं, राजनैतिक संचार

इकाई – 4 :संविधानवाद – राजनैतिक सम्भ्रान्तजन, राजनीतिक दल, राजनीतिक आधुनिकीकरण।

इकाई – 5 :दबाव समूह तथा सामाजिक आंदोलन – राजनैतिक नेतृत्व, राजनीतिक सहभागिता।

संदर्भ ग्रंथ –

1. डॉ. एस.पी. वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विशाल पब्लिशिंग हाउस।
2. डॉ. श्यामलाल वर्मा, समकालीन राजनीतिक चिंतन एवं विश्लेषण, मेकमिलन।
3. डॉ. परमात्माशरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
4. जे.सी. जौहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
5. डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
6. हरद्वारीलाल राय, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
7. डॉ. पी.डी. शर्मा द्वारा संकलित, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
8. एस.सुरी – तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत
9. सिंह एवं राय – तुलनात्मक राजनीति संस्थाएं।
10. प्रभुदत्त शर्मा – तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं।
11. भोला प्रसाद सिंह – राजनीति में पद्धति सिद्धांत।
12. सी.बी.गेना – तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं।
13. आर.बी.जैन – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति।
14. बी.बी. चौधरी – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन।
15. विपिन चंद्र – भार में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, दीपक पब्लिकेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स
16. G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
17. Almond & Colman, the Politics of Development and Political Decay.
18. Vidya Bhooshan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributers, 4343/4e Daryaganj
19. R.L. Hardgrave, India: Government and Politics in a Developing Nation.
20. G.A. Almond & G.B. Powell, Jr of Comparative Politics: A development approach, Boston, Little Brown, 1966. D. Esastern – The Political System: An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
21. J.C, Johari, Comparative Political Theory – New Dimensions, Basic concept and major trends, New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling – 1987.

SEMESTER - II
PAPER – 2
COMPARATIVE POLITICS

Course Rotional:

The paper deals with the theorctical evolution and approaches to the study of comparative politics the paper intends to highlight on variations in systematic characterstics and processe to equip us with a sound grasp of methodolohy of comparison and to enable thus to understand alternative theroretical males and explanations. It analyzes in a comparative way a fundamental grasp over the various theories and explanations regarding political development in the thirs world views, which have dlicted different theories of development under development and change in the study of comparative politics.

Unit - I

Evolution of comparative politicas meaning, nature & scope. Comparative Method in the study of political system, Approaches: Political sociology political economics.

Unit – II

Political System Approach and Analysis (David Esoton), Structural functional Approach and Analysis (Almond Powel) Political Culture and Political Socialization.

Unit – III

Political Development Approach and Analaysis (Lucian Pie, Almond, Halingtan, Organsky) Political Insitutions, Political Communication

Unit – IV

Constitutionnalism, Political Elites, Political Parties, Modernization.

Unit – V

Pressones Group and social movement, Political leadership and political participation.

Reference Book:

1. G. White, R. Murray and C. White, Revolutionary Socialist Movements in the Third World, Brighton, Wheatsheaf, 1983.
2. Almond & Colman, the Politics of Development and Political Decay.
3. Vidya Bhooshan, Comparative Politics, Atlantic Publishers and Distributers, 4343/4e Daryaganj, Dlhi.
4. R.L. Hardgrave, India: Government and Politics in a Developing Nation.
5. G.A. Almond & G.B. Powell, Jr of Comparative Politics: A development approach, Boston, Little Brown, 1966. D. Esastern – The Political System: An Enquiry into the state of political science, New York, 1953.
6. J.C, Johari, Comparative Political Theory – New Dimensions, Basic concept and major trends, New Dimensions, Basic concept and major trends, New Delhi, Sterling – 1987.
7. डॉ. एस.पी. वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत, विशाल पब्लिशिंग हाउस।

8. डॉ. श्यामलाल वर्मा, समकालीन राजनीतिक चिंतन एवं विश्लेषण, मेकमिलन।
9. डॉ. परमात्माशरण, तुलनात्मक शासन और राजनीति, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
10. जे.सी. जौहरी, तुलनात्मक राजनीति, स्टर्लिंग पब्लिशर्स।
11. डॉ. श्यामलाल वर्मा, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
12. हरद्वारीलाल राय, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
13. डॉ. पी.डी. शर्मा द्वारा संकलित, आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत।
14. एस.सुरी – तुलनात्मक राजनीति के सिद्धांत
15. सिंह एवं राय – तुलनात्मक राजनीति संस्थाएं।
16. प्रभुदत्त शर्मा – तुलनात्मक राजनीतिक संस्थाएं।
17. भोला प्रसाद सिंह – राजनीति में पद्धति सिद्धांत।
18. सी.बी.गेना – तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएं।
19. आर.बी.जैन – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति।
20. बी.बी. चौधरी – तुलनात्मक शासन एवं राजनीति, महावीर प्रकाशन।
21. विपिन चंद्र – भार में उपनिवेशवाद, राष्ट्रवाद, दीपक पब्लिकेशन व डिस्ट्रीब्यूटर्स

SEMESTER I
PAPER– 3
लोक प्रशासन

पाठ्यक्रम औचित्य –

यह प्रश्न पत्र लोक प्रशासन को व्यापक व्यवस्थित पर्यावरण में समझने का प्रयास है जिससे इसके उपकरणों एवं कर्ताओं के मुख्य अंतः क्रियात्मक कारकों की पहचान की जा सके। तथा उन उपायों की समझ विकसित की जा सके जो उनकी क्रियात्मक दक्षता को प्रभावित करते हैं। एवं कार्यात्मक उपयोगिता को शक्ति प्रदान करते हैं। इसमें नौकरशाही के विकास तथा विकास की प्रक्रिया में इसके उल्लेखनीय योगदान को समझने का प्रयास किया गया है। साथ ही विकासात्मक नौकरशाही के अध्ययन को भी ध्यान में रखा गया है।

इकाई – 1 लोक प्रशासन – परिभाषा, अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र अध्ययन के उपागम, निजी प्रशासन व लोक प्रशासन में समानता एवं अंतर, नवीन लोक प्रशासन की अवधारणा

इकाई – 2 संगठन के सिद्धांत – पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र, आदेश की एकता, समन्वय, प्रत्यायोजन, केन्द्रीयकरण विकेन्द्रीयकरण।

इकाई – 3 मुख्य कार्यपालिका– सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण, नेतृत्व, निर्णय, निर्माण, जवाबदेही, शासन पर नियंत्रण– संसदीय व न्यायिक

इकाई – 4 कार्मिक प्रशासन– भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, नौकरशाही– अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं गुण–दोष, प्रकार, नौकरशाही का आधुनिकीकरण लोक सेवा आयोग,

इकाई – 5 वित्तीय प्रशासन– बजट सिद्धांत, निर्माण, प्रक्रिया, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, लेखांकन अंकेक्षण लोक सेवा में तटस्थता, प्रदत्त विधायन, सूचना का अधिकार

संदर्भ ग्रंथ –

1. सी.पी. भाम्भरी– लोक प्रशासन के सिद्धांत
2. अवस्थी एवं माहेश्वरी– लोक प्रशासन के सिद्धांत
3. इन्द्रजीत कौर– लोक प्रशासन
4. डॉ. डी.एस. यादव– लोक प्रशासन
5. खान एवं वर्मा– प्रशासनिक विचारधाराएं, भाग 1, 2
6. आर. बसु– लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
7. निशा वशिष्ठ– भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
8. डॉ. बी.एल. फड़िया– लोक प्रशासन
9. Pfittner J.M.– Public Administration
10. White L.D.- Introduction to the Principles
11. Bhambhari C.P.– Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
12. Bhattacharya M. – Public Administration
13. Mahesshwari S.r. – Indian Administration System
14. Awasthi & Maheshwari – Public Administration.

SEMESTER I

PAPER – 3

PUBLIC ADMINISTRATION

This paper intends to study public Administration in its larger systematic milieu to identify key interacting factors in its apparatus and actors, and to develop understanding of measures that affect its operating efficiency and strengthen its significant contributions to the process of development, highlight any and the importance and imperatives of the study of developmental bureaucracy.

Unit-1

Public Administration: Definition, meaning and mutual scope, study approaches, Differences and similarities with private Administration concepts of New Public Administration.

Unit-2

Theories of Organization: Hierachy, Span of Control Unity of Command, Coordination Delegation of Power, Centralization and decentralization.

Unit-3

Chief Executive: Line and Staff Agencies, Leadership Decision making, Accountability Control over Administration - Legislative and Judicial.

Unit-4

Personal Manangement: Recruitment Training, PromotionBureaucracy: Meaning definition, characteristics, Merits-Demerits, Types. Modernisation of Bureaucracy, Public service Commission

Unit-5

Financial Administration: Theories and process of Budget making, Controller and Auditor General of India, Accounting and Auditing, Neutrality in public service, Delegated legislation, Right to Information.

Reference Book:

1. Pfittner J.M.– Public Administration
2. White L.D.- Introduction to the Principles
3. Bhambhari C.P.– Bureaucracy and Politics in India, Delhi Vikas 1971.
4. Bhattacharya M.– Public Administration
5. Mahesshwari S.r. – Indian Administration System
6. Awasthi & Maheshwari – Public Administration.
7. सी.पी. भाम्भरी– लोक प्रशासन के सिद्धांत
8. अवस्थी एवं माहेश्वरी– लोक प्रशासन के सिद्धांत
9. इन्द्रजीत कौर– लोक प्रशासन
10. डॉ. डी.एस. यादव– लोक प्रशासन
11. खान एवं वर्मा– प्रशासनिक विचारधाराएं, भाग 1, 2
12. आर. बसु– लोक प्रशासन, नई दिल्ली, जवाहर पब्लिशर्स
13. निशा वशिष्ठ– भारत में नौकरशाही की कार्यप्रणाली
14. डॉ. बी.एल. फड़िया– लोक प्रशासन

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER I

PAPER – 4

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों एवं पद्धतियों को स्पष्ट करता है। साथ ही समकालीन महत्वपूर्ण मुद्दों के विश्लेषण पर भी बल देता है। इस प्रश्न पत्र का एक महत्वपूर्ण पक्ष शक्ति तथा समकालीन अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उसके उपयोग का सैद्धांतिक आधारों पर विश्लेषण करना भी है। गुट निरपेक्षता की अवधारणा शस्त्र नियंत्रण तथा निःशस्त्रीकरण, दक्षिण तथा दक्षिण पूर्ण एशिया के संगठनों एवं दक्षिण एवं पश्चिम में संघर्ष एवं सहयोग के मुख्य क्षेत्रों के विशद विवेचन एवं विश्लेषण का प्रयास इस प्रश्न पत्र में किया गया है। उत्तर शीतयुद्ध में उभरे सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय प्रश्नों को भी इसमें सम्मिलित किया गया है।

इकाई – 1 अंतर्राष्ट्रीय राजनीति – विकास, प्रकृति : क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के सिद्धांत यथार्थवादी, मार्क्सवादी, खेल और व्यवस्था सिद्धांत

इकाई – 2 शक्ति के अवधारणा – इसके तत्व व सीमाएं शक्ति प्रबंधन, शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सरक्षा शक्ति की बदलती प्रकृति।

इकाई – 3 असंलग्नता की अवधारणा– अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, उपलब्धियां, असफलला एवं प्रासंगिकता, निःशस्त्रीकरण अर्थ, आवश्यकता पक्ष–विपक्ष, मार्ग में आने वाली बाधाएं

इकाई – 4 राजनय– परिभाषा, प्रकार, कार्य, राजनयिक विशेषाधिकार, क्षेत्रीय संगठन – सार्क और आसियान, यूरोपियन–यूनियन (ईयू)

इकाई – 5 आतंकवाद – परिभाषा, प्रोत्साहन देने वाले तत्व, दक्षिण एशिया में आतंकवाद, सीमा पार आतंकवाद, परमाणु आतंकवाद, वैश्विक आतंकवाद

संदर्भ ग्रंथ –

1. बी.एल.फड़िया – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
2. ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
3. मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1917–1945, कालेज बुक डिपो
4. मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1945 से अब तक, कालेज बुक डिपो, जयपुर
5. प्रभुदत्त शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो जयपुर
6. एच.जे. मार्गेन्थाउ – राष्ट्रों के मध्य राजनीति
7. पुष्पेश पंत एवं जैन – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
8. बी.के.खन्ना एवं लीपास्थी अरोरा – भारतीय विदेश नीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली
9. S.Burchill Et al – theories of International Relations, Hampshire, Macmillion, 2001.
10. K.W. Deutsch, the analysis of International Ralations, New Delhi, Prentics Hall 1989.
11. H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, Newyork, Alfred Knoof, 1985.
12. K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.

SEMESTER I

PAPER – 4

INTERNATIONAL POLITICS

This paper deals with the different approaches and methods of studying international political along with anemphasise on some important contemporary issues. One very important component of this paper is the theoretical postulates about power and the actual operation of it in contemporary international politics. The concept of non alignment, arms control and disarmaments the regional organization of South-East Asia and the major Areas of conflict and cooperation in South and West need also to be dealt in detail and analytically. It incorporates social, economic and humanitarian issues that have come to the fore front in the post cold war period.

Unite – 1

Developoement of International Politics: and Scope.Theories of International Politics– Realistic Maxist, Game and System Theory.

Unite- 2

Concepts of Power: Its constituents and limitations, The management of power– Balance of power, Collective security and changing nature of National power.

Unit-3

The concepts of Non Alignment, meaning, definition, features, achievments Bases, role and Relevance. Disarmament meaning, needs, against Hindrences falures.

Unit-4

Diplomacy– Definition, kinds-Functions Diplomatic Emunities. Regional organization– SAARC, ASEAN, EU.

Unit-5

Terrorism– Definition, Motivative elements, Terrorism in South Aisa, Sima paar Terrorism, Terrorism– Nuclear Terrorism Global Terrorism

Reference Book:

1. बी.एल.फड़िया – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
2. S.Burchill Et al – theories of International Relations, Hampshire, Macmillion, 2001.
3. K.W. Deutsch, the analysis of International Ralations, New Delhi, Prentics Hall 1989.
4. H.J. Morgenthau, Politics among nations, Sixth Edition, revised by K.W. Thompson, Newyork, Alfred Knoof, 1985.
5. K.P. Mishra and R.S. Beal, International Relations Theory, New Delhi, Vikas, 1980.
6. ई.एच.कार – दो विश्व युद्ध के बीच अंतर्राष्ट्रीय संबंध, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
7. मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1917–1945, कालेज बुक डिपो
8. मथुरालाल शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय संबंध – 1945 से अब तक, कालेज बुक डिपो, जयपुर
9. प्रभुदत्त शर्मा – अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, कॉलेज बुक डिपो जयपुर
10. एच.जे. मार्गेन्थाउ – राष्ट्रों के मध्य राजनीति
11. पुष्पेश पंत एवं जैन – अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
12. बी.के.खन्ना एवं लीपारथी अरोरा – भारतीय विदेश नीति के नये आयाम, डी.के. प्रकाशन, नई दिल्ली

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER – 1

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन

यह प्रश्न पत्र का उद्देश्य आधुनिक भारत में राजनीतिक सिद्धांतों की परंपराओं के विशिष्ट लक्षणों के प्रति समालोचनात्मक जागरूकता विकसित करना है। इस प्रश्न पत्र का केन्द्रीय विषय भारत के सामाजिक एवं राजनीतिक विचारों के दार्शनिक आधारों का विवेचना करना तथा वे किस सीमा तक पश्चिमी राजनीतिक चिंतन से भिन्न है यह स्पष्ट करना है। यह आधुनिक भारत के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक नेताओं तथा चिंतकों के विचारों को व्यवस्थित रूप से समझने का प्रयास है। यह आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारकों के राजनीतिक सिद्धांतीकरण के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान पर बल देता है तथा उनके राजनीतिक चिंतन की सापेक्षिक स्वतंत्रता को निरूपित करता है।

इकाई – 1 भारतीय राजनीतिक चिंतन– उत्पत्ति एवं विकास, भारतीय पुनर्जागरण – राजा राम मोहन राय, दयानंद सरस्वती, विवेकानंद

इकाई – 2 महात्मा गांधी – सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, आदर्श राज्य का विचार, सविनय अवज्ञा, गांधी समाज सुधारक के रूप में, गांधी एक राजनैतिक विचारक।

इकाई – 3 पं. जवाहर लाल नेहरू– राजनीतिक विचार डॉ. भीमराव अम्बेडकर– राजनीतिक विचार

इकाई – 4 राम मनोहर लोहिया– राजनीतिक सामाजिक विचार, जय प्रकाश नारायण के राजनीतिक, सामाजिक विचार, आचार्य नरेन्द्र देव के राजनीतिक सामाजिक विचार

इकाई – 5 दीन दयाल उपाध्याय– राजनीतिक विचार मानवेन्द्र नाथ राय– राजनीतिक विचार अरविंद घोष – राष्ट्रीयता व राजनीतिक विचार

संदर्भ ग्रंथ –

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन – डॉ. बी.एल. फड़िया, साहित्य भवन, आगरा
2. भारतीय राजनीतिक विचारक – रश्मि पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
3. आधुनिक भातीय राजनीतिक चिंहन – वी.पी. वर्मा
4. भारतीय राजनीतिक चिंतन – डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
5. R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
6. डॉ. ओम प्रकाश गाबा – भारतीय राजनीतिक विचारक

SEMESTER II
PAPER – 1
MODERN INDIAN POLITICAL THOUGHT

The purpose of this paper is to generate a critical awareness about the distinctive features of the political theory traditional in Modern India. The focal theme of the paper is the bearing of India Philosophical system of thought on social and political ideas and to what extent is Indian political thought a rejection derivativemitation or innovation transformation of Wester political Thought. It is an attempt to discuss systematically the political ideas of various political and social leaders and thinker in modern India. It emphasize on the distinctive contribution of modern India thinkers to political theorizing and the relative autonomy.

Unite-1

Evolution of Indian political thought, Indian Renaissance- Raja Ram Mohan Roy, Dayanand Saraswati and Vivekanand

Unite-2

Mahatma Gandhi– Truth, Non-violence, satyagrah, View at Ideal state, Gandhi as a social reformer, Gandhi as a political thinker.

Unite -3

Pt. Jawaharlal Nehru: Political Ideas, Dr. B.R. Ambedkar: Political Ideas

Unite -4

Ram Manohar Lohia: Political and Social Ideas, Jay Prakash Narayan: Social and Political Ideas, Acharya Narendra Dev: Social and political Ideas.

Unite -5

Deen Dayal Upadhyay: Political Ideas, Manvendra Nath Roy: Political Ideas, Aurbindo: Nationalism and Political Ideas.

संदर्भ ग्रंथ –

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन– डॉ. बी.एल. फड़िया, साहित्य भवन, आगरा
2. भारतीय राजनीतिक विचारक– रश्मि पाठक, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
3. आधुनिक भातीय राजनीतिक चिंहन– वी.पी. वर्मा
4. भारतीय राजनीतिक चिंतन– डॉ. गोविंद प्रसाद शर्मा, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
5. R. Kothari, Politics in India, New Delhi orient Longman, 1970.
6. डॉ. ओम प्रकाश गाबा – भारतीय राजनीतिक विचारक

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER – 2

समकालीन राजनीतिक मुद्दे

शीत युद्ध के पश्चात् अधिकांश स्थापित लोकतांत्रिक देशों में सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा मानवीय सुरक्षा की चिंताएं उभर कर सामने आयी है। ये चिंताएं अपेक्षाकृत विकसित तृतीय विश्व के देशों में भी मौजूद है इसलिये यह परीक्षण करना आवश्यक है कि किस सीमा तक ये समस्याएं नई है। अथवा उन्हीं पुरानी समस्याओं को नया रूप दिया जा रहा है। इस प्रश्न पत्र का उद्देश्य इन चिंताओं को विश्व राजनीति के संदर्भ में तथा वैश्विक एवं विभिन्न देशों के नीति निर्माण के संदर्भ में समालोचनात्मक दृष्टि से विश्लेषित करना है।

इकाई – 1 शीत युद्ध की पृष्ठभूमि – शीत युद्ध का अंत, शीत युद्ध को प्रभावित करने वाले कारक, देतां (तनाव शैथिल्य) उत्तर शीत युद्ध काल की समकालीन समस्याएं एक विश्व व्यवस्था साम्यवादी गुट का अवसान

इकाई – 2 नई अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं–विशेषताएं, उत्तर–दक्षिण संवाद की मुख्य समस्याएं – अभिप्राय पृष्ठभूमि विभिन्न सम्मेलन (ब्रांट, पृथ्वी), उत्तर–दक्षिण संवाद के लिए दबाव आलोचनात्मक मूल्यांकन दक्षिण–दक्षिण सहयोग, सीमाएं व चुनौतियां

इकाई – 3 वैश्वीकरण – अर्थ, विशेषताएं, लाभ–हानि, पर्यावरणीय मुद्दे–संयुक्त राज्य पर्यावरणीय कार्यक्रम, पर्यावरणीय संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय कानून रियो सम्मेलन 1992, पृथ्वी सम्मेलन 2002

इकाई – 4 परमाणु निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण (सीटीबीटी, बीटीएनपीटी), निःशस्त्रीकरण और संयुक्त राष्ट्रः भूमिका और प्रयास Efforts - 1947 to 1980, 1981 to update

इकाई – 5 तृतीय विश्व की समस्याएं– अवधारणा, विशेषतायें, भूमिका, महाशक्ति अमरीका व तृतीय विश्व, विकासात्मक मुद्दे– आर्थिक, सामाजिक विकास, कृषि स्वास्थ्य, गरीबी खाद्य समस्या।

संदर्भ ग्रंथ –

1. डॉ. बी.एल. फाड़िया – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicholson, 1977
3. P. Ekins, A New World Order : Grassroots Movements for Global Change, London, Roultedge, 1992.

SEMESTER II
PAPER – 2
CONTEMPORARY POLITICAL ISSUES

Science economic, culture and humanitarian concerns have come to the fore front relegation issue of security to the boarhound in the most well established democracies in the post cold war period .These concerns also find their advocates in the relatively under developed counters of the third world . There is a need examine to what extent are thes concerns new or are they a redefinition of old ideas with a fresh look. The objective of the paper is to examine critically these and analyze their impact on the world politics and policy making initiatives both globally and within individual countries.

Unit –1

Background of the Cold war: End of the Cold war Causes of the Cold War, Detante Contemporary Problem of Post Cold War Era. Uni polar World System, End of communist Group

Unit –2

New International Economic order, Issue of North South Dialogues– Meaning, Background, Various conference (Brant, Prithivi) Pressure on North South Dialogue limitation and challanges, South-south dialogue (cooperation).

Unit –3

Globalization: Meaning, characacterstics, Merit, Demerit, Environmental Issues– United Nation Environment Programme, International Law of Environment Protection Rio Conference 1992, Prithvi Conference 2002

Unit –4

Nuclear Disarmament and Arms control CTBT, NPT, Disarmament and United Nations - Role and efforts since 1947 to 1980, 1981 to update

Unit- 5

Problem of Third World: Concept Characteristics, Role, Super Power America and Third World. Developing Issues- Economic, Social Development Agriculture, Health, Poverty, Food Problem

Reference Book:

1. डॉ. बी.एल. फाड़िया – समकालीन मुद्दे, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. W. Lacquer, Terrorism, London, Weidenfeld and Nicholson, 1977
3. P. Ekins, A New World Order: Grassroots Movements for Global Change, London, Roultedge, 1992.

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

SEMESTER II

PAPER – 3

शोध प्रविधि

यह प्रश्न पत्र राजनीति विज्ञान में वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने के लिये इन्द्रियानुभाविक अनुंसधान की प्रक्रिया एवं पद्धतियों को रेखांकित करता है। सामाजिक विज्ञान अनुसंधान पद्धतियों को राजनीति विज्ञान से संबंध करने का यह प्रयास है। उससे विभिन्न पद्धतियों एवं विचारों को आलोचना को भी सम्मिलित किया गया है।

इकाई – 1 शोध का स्वरूप एवं क्षेत्र महत्व और उपयोगिता विशुद्ध शोध एवं व्यवहारिक शोध में अंतर शोध समस्या की पहचान, शोध प्रारूप (रचना)

इकाई – 2 वैज्ञानिक शोध प्रविधि– प्राकल्पना, सम्प्रत्यय, एवं चर, उपकल्पना निर्माण एवं परीक्षण प्रतिचयन (निर्देशन पद्धति)

इकाई – 3 तथ्य संकलन की तकनीक एवं उपकरण: अवलोकन, विशेषताएं प्रकार, गुण एवं दोष प्रश्नावली अनुसूची एवं साक्षात्कार प्रतिचयन एवं सर्वेक्षण की तकनीक

इकाई – 4 अध्ययन की प्रकृति: व्यक्तिगत अध्ययन पद्धति भूमिका एवं सहत्व, पूर्वगामी अध्ययन एवं पेनल अध्ययन, सामग्री संसाधन एवं विश्लेषण, संकेतीकरण, सारणीयन, विश्लेषण एवं सामाजिक विज्ञान में कम्प्यूटर का प्रयोग

इकाई – 5 सांख्यिकीय विश्लेषण: समान्तर माध्य, मध्यांक, बहुलक, प्रतिवेदन लेखन– उद्देश्य, स्वरूप अंतर वस्तु संदर्भ

संदर्भ ग्रंथ –

1. श्यामलाल वर्मा – राजनीति विज्ञान में अनुसंधान प्रविधि
2. त्रिवेदी आर.ए. एवं शुक्ला डी.पी. – रिसर्च मेथडोलॉजी कॉलेज बुक डिपो रायपुर
3. रविन्द्रनाथ मुखर्जी – शोध एवं सांख्यिकी
4. सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियां
5. डॉ. बी. एल. फड़िया – शोध प्रविधियां
6. डॉ. एस.डी. सिंह – सामाजिक शोध सर्वेक्षण एवं सांख्यिकी
7. J.B. Johnson, and R.A. Josiym, Political Science Research Methods, Washington D.C.C.Q. Press, 1986.
8. M. Waber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shils and H.A. Finch. Newyork, the Free Press, 1949.
9. Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organization.

SEMESTER II

PAPER – 3

RESEARCH METHODOLOGY

This paper is a basic instruction to the process and method of empirical research for achieving sciscientific knowledge in political science .An attempt is made to relate social science Research methods to other course in syllabus of political Science.The criticisms of different methods and schools are included. There is a need to teach the method of date collection. Sample survey preparation of bibliography and questionnaire, writing of report dissertation and thesis.

Unit-1

Social research: Nature, Importance and Use, Difference between pure and applied research Identification of research Problem research Design.

Unit-2

Scientific Research Method: Hypothesis concepts and variables, Hypothesis formulation and testing, sampling method.

Unit-3

Tools and techniques of Data Collection: Observation, Characteristics of observations, kinds of observation, Merit and demerits of Questionnaire, Schedule, interview, Sampling and survey Techniques.

Unit-4

Nature of Study: Case Study: Technique Role and Importance Case study. Pilot studies and panel studies, Application of computer in social Science research. Encoding, Schedule, data Resources and Analysis.

Unit-5

Statistics Analysis– Mean, Median, Mode, Report Writing: Prupose forms and contents, reference.

Reference Book:

1. J.B. Johnson, and R.A. Josiym, Political Science Research Methods, Washington D.C.C.Q. Press, 1986.
2. M. Waber, the Methodology of Social Science, Translated edited by E.A. Shils and H.A. Finch. Newyork, the Free Press, 1949.
3. Dr. A.P. Verma – Research Methodology in Public Administration Non profit organization.
4. त्रिवेदी आर.ए. एवं शुक्ला डी.पी. – रिसर्च मेथडोलॉजी कॉलेज बुक डिपो रायपुर
5. रविन्द्रनाथ मुखर्जी – शोध एवं सांख्यिकी
6. सी.पी. शर्मा – शोध प्रविधियां
7. डॉ. बी. एल. फड़िया – शोध प्रविधियां
8. डॉ. एस.डी. सिंह – सामाजिक शोध सर्वेक्षण एवं सांख्यिकी

SEMESTER-II

PAPER – 4

अंतर्राष्ट्रीय संगठन

यह प्रश्न पत्र अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के उद्‌भव एवं विकास का आरंभ से लेकर वर्तमान समय तक का अध्ययन करना है। यह उन समस्याओं पर प्रकाश डालता है। जो अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सम्मुख आती है और उनके कार्य में रूकावट डालती है। संयुक्त राष्ट्र की संरचना एवं कार्य विधि का गहराई से अध्ययन किया जाना है कि क्या यह अपने शिल्पियों की अपेक्षा आशा एवं आकांक्षा के अनुरूप खरा उतरा है। साथ ही शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात् राजनीतिक एवं सुरक्षा बिंदुओं से सामाजिक आर्थिक एवं मानवतावादी विषयों में परिवर्तन और इन आवश्यकताओं को सुगम बनाने में संयुक्त राष्ट्रीय की भूमिका विश्लेषित किया जाना है।

इकाई – 1 अंतर्राष्ट्रीय संगठन– प्रकृति एवं विकास, अंतर्राष्ट्रीय संगठन राष्ट्र राज्य का वर्ण संकर, राष्ट्र संघ– रचना एवं कार्य, विश्व शांति की रक्षा में भूमिका, राष्ट्र संघ की असफलता के कारण

इकाई – 2 संयुक्त राष्ट्र– संरचन उद्‌देश्य एवं कार्यसंयुक्त राष्ट्र के विभिन्न अंग, संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुधारों की आवश्यकता, भारत और संयुक्त राष्ट्र

इकाई – 3 अंतर्राष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी समाधान– दबावपूर्ण कार्यवाही, आर्थिक सामाजिक विकास और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका

इकाई – 4 शीत युद्धोत्तर काल में संयुक्त राष्ट्र– सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय भूमिका शांति संस्थापक के रूप में संयुक्त राष्ट्र

इकाई – 5 ब्रेटेन वुडस वित्तीय संस्थाएं– विश्व व्यापार संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, नई विश्व आर्थिक व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का मूल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ –

1. बैकुठनाथ सिंह – अंतर्राष्ट्रीय संगठन ज्ञानदा प्रकाशन
2. एम.पी.राय – अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक डिपो, जयपुर
3. K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
4. Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.

SEMESTER II
PAPER – 4
INTERNATIONAL ORGANISATION

This paper studies the evaluation and the development of international organizations from its inception till present times it focuses on the problems that conforms international organizations and constraints withing which they function. An in depth study of the structure and functioning of the United Nations needs to be undertaken and analyzed from the persoective of whether it has lived upto the expectations hope and aspirations of its architects in addition the shift from political and security considerations to social, economic and humanitarian concern following the end of the cold war and UN's role in facilitating these needs to be analyzed.

Unit-1

International Organsiation: Nature and Evolution International Organsiation– A Hybris of Nation State System and The International system, The League of Nation–structure and functions, Role in protecting World peace, causes of failure of league Nations.

Unit-2

The United Nations: aims, structure and functions, various organs of U.N., Need of Reform in the U.N. Structure, India and United Nations.

Unit-3

Peaceful settlement and forceful settlement of International Diputes and Enforcement Action, Rold of United Nationa in Economic and social development.

Unit-4

United Nation in post cold war Era, Socio, Economic and Humanitarian Role, United Nation as a peace keeper and politics within United Nation

Unit-5

The evoluation at International financial Institute: Bretton woods system, World Trade Organsiation, International Monitory fund, World Bank, Now World economic order, Assesment of United Nation role.

Reference Book:

1. K.P. Saxena, Reforming the United Nations, The Challenging Reverence, New Delhi, SAGE, 1993.
2. Archer, International Organization, Newyork, Sent martin Press, 1975.
3. बैकुठनाथ सिंह – अंतर्राष्ट्रीय संगठन ज्ञानदा प्रकाशन
4. एम.पी.राय – अंतर्राष्ट्रीय संगठन कॉलेज बुक डिपो, जयपुर

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर–I भारतीय शासन एव राजनीति

SEMESTER III

PAPER I

INDIAN GOVERNMENT AND POLITICS

इकाई–1 संविधान सभा की पृष्टभूमि – सगंठन एवं कार्य प्रणाली, भारतीय संविधान की विशेषताएं।

वैचारिक आधार – प्रस्तावना, स्त्रोत, संविधान संशोधन प्रक्रिया।

Background of the Constituent Assembly - Composition and Working] Main Features of the Indian Constitution. Ideological contents - Preamble Sources of the Indian Constitution, Process of Constitutional amendment.

इकाई–2 मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, केन्द्र राज्य सम्बन्ध– विधायी, वित्तीय, प्रशासकीय।

Fundamental Rights and duties, Directive Principles of State Policy; Centre State Relation - Legislative, Financial, Administrative.

इकाई–3 संघीय कार्यपालिका – राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मन्त्रिपरिषद।

Union Executive - President Prime minister and Council of Ministers.

इकाई–4 संघीय व्यवस्थापिका – लोकसभा, राज्यसभा, भारतीय सर्वोच्य न्यायालय।

Union Legislature - House of people (Loksabha), House of State (Rajyasabha), Supreme Court of India.

इकाई–5 भारतीय राजनीति के समक्ष चुनौतियां – जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, सम्प्रदायवाद, भ्रष्टाचार।

Challenges before Indian Politics - Casteism, Regionalism, linguism, Communalism, Corruption.

सन्दर्भ ग्रन्थः–

डॉ. पुखराज जैन एवं डॉ. बी.एल. फड़िया – भारतीय शासन एवं राजनीति

सुभाष कश्यप – भारतीय राजनीति के नये मोड़,

एमपी. राय–भारतीय शासन व राजनीति,

रजनी कोणरी – भारत में राजनीति,

हरिश चन्द्र शर्मा – भारत में राज्यों की राजनीति

Dr. M.P. and Dr. D. Ray - Indian political system,

R. Kothari - Politics in India,

Iqbal Narayan - State politics in India,

L.N. Sharma - The Indian prime minister; office and power.

G Gopal Kumar - Regional political Parties and state politics.

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर – II

भारत की विदेश नीति : सिद्धान्त एव व्यवहार

SEMESTER III

PAPER II

INDIAN FOREIGN POLICY: THEORY AND PRACTICE

इकाई–1 विदेश नीति : अर्थ, प्रकृति और निर्धारक तत्व, भारतीय विदेशनीति के निर्धारक तत्वः आन्तरिक एवं बाह्य, भारतीय विदेश नीति के सिद्धान्त एवं उद्देश्य, उदभव एवं विकास।
Foreign policy : Meaning, nature and Determinants. Determinants of Indian Foreign Policy: Internal and External principles and objective, origin and Education of India foreign Policy.

इकाई–2 भारत और अमेरिका और रूस, भारत और चीन
India and American, India and Ruse, India and China.

इकाई–3 भारत और पाकिस्तान, भारत और बगंलादेश, भारत और श्रीलंका।
India and Pakistan, India and Banladesh, India and Srilanka.

इकाई–4 भारत और नेपाल, भारत और भूटान, भारत और दक्षेस।
India and Nepal, India and Bhutan, India and SAARC

इकाई–5 भारत और गुटनिरपेक्ष आन्दोलन
भारत और एसियान
भारत और हिन्द महासागर
भारत और आंतकवाद की समस्याएं
India and Non - Alignment movement
India and ASEAN.
India and Indian Ocean.
India and Problems of terrorisms

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय,बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. राजनीति विज्ञान (M.A. POLITICAL SCIENCE)

सेमेस्टर III

पेपर–III

अन्तर्राष्ट्रीय कानून

SEMESTER - III

PAPER - III

INTERNATIONAL LAW

इकाई–1 अन्तर्राष्ट्रीय कानून – परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र, स्त्रोत विकास।
International Law - Definition, nature, scops sources development.

इकाई–2 ग्रेशियस का योगदान, संहिताकरण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय कानून मे सम्बन्ध।
Grotius Contribution, Codification, Relation development National and International Law.

इकाई–3 अन्तर्राष्ट्रीय कानून की सीमाएं व सम्भवनाएं तटस्थता – परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार/तटस्थ राज्यों के अधिकार एवं कत्तर्व्य राज्यो के उत्तराधिकार।
Limitation and possibilities of International Law Neutrality - Definitions, characteristics, types/ Rights and Duties of Neutral state, state Succession.

इकाई–4 संधिया – अर्थ, परिभाषा, वर्गीकरण, उद्देश्य, प्रभाव संधियों का पालन।
प्रत्यपर्ण– अर्थ– स्वरूप, विकास, शर्ते, भारत में प्रत्यर्पण।
Treaties - meaning, definition, Classifications objects, effects, performance of treaties. Extradition - meaning, Nature, development - conditions Extradition in India

इकाई–5 मान्यता – अर्थ, परिभाषा, सिद्धान्त, मान्यता के तरीके मान्यता के परिणाम, आश्रय – प्रकार, शर्ते, राजनयिक आश्रय।
Recognition - meaning, Definition, principles, methods, consiquences.
Asylum - Types, conditions, Diplomatic asylum.
अन्तराष्ट्रीय कानून का प्रभाव– तृत्तीय विश्व के सन्दर्भ मे।
Impact on International Law - With Reference of third World.

सन्दर्भ–
व्ही. डी. महाजन–International Law
डॉ. बी एल. फड़िया – अन्तर्राष्ट्रीय कानून
पी. आर भाटिया – अन्तर्राष्ट्रीय कानून
वे|kyadkj & अन्तर्राष्ट्रीय कानून
C.G. Fenwick - International Law
K. Dutesh and S.Hoffman - The International Law

H Kulseen - Principles of International Law

सेमेस्टर III
पेपर– IV
भारत में संघात्मक प्रणाली
SEMESTER - III
PAPER - IV
FEDERAL SYSTEM IN INDIA

इकाई–1 संघात्मक शासन – अर्थ परिभाषा, सघांत्मक शासन लक्षण।
सघांत्मक शासन गुण – दोष, सघांत्मक एवं एकात्मक शासन में अन्तर, भारत में संघीय व्यवस्था का उदभव एव इतिहास।
Federal System - meaning, Definition, Features of Federal System, Merits and Demerits of Federal system, Deferences between Federal and Unitary system, Origin and History of Federal System in India.

इकाई–2 भारत में संघीय व्यवस्था और संविधान निर्माताओं के विचार, भारतीय सघांत्मक व्यवस्था की सरंचना (ढाचा)z संघात्मक और एकात्मक लक्षण।
Federal system in India and Thought of Constitution Makers structure of Federal system in India - Federal and Unitary Features.

इकाई–3 सरकारिया आयोग प्रतिवेदन
भारत में केन्द्र–राज्य संबध – विधायी, प्रशासकीय, वित्तीय।
Sarkariya Commission Report
Centre - State relations in India - Legislative, Administrative and Financial.

इकाई–4 नियोजित आर्थिक विकास और भारतीय राजनीति : संघवाद के विशेष सन्दर्भ में।
भारत में संघवाद पर नियोजन के प्रभाव:
Planned Economic Development and Politics in India- with special Reference to the Indian Federal System, Impact of Planning on Federalism in India.

इकाई–5 क्षेत्रीय दल एवं संघीय व्यवस्था पर उसका प्रभाव।
भारतीय संघीय व्यवस्थाकी उभरती प्रवृत्तियां।
Regional Parties and their effects on Indian Federalism Emerging triends in Indian Federalism.

सन्दर्भ–
पुखराज जैन एवं बी.एल. फड़िया – भारतीय शासन एवं राजनीति
हरीश कुमार खत्री – भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासन
एस. आर. माहेश्वर – भारतीय शासन।
D.D. Basu - An Introduction to the Constitution of India
K.R. Bomwall - The Foundations of Indian Federalism.
R. Khan - Rethinking Indian Federalism
R. Kothare - Party System and Election studies

P. Kumar - Studies in Indian Federalism

सेमेस्टर IV
पेपर – I
भारत में राज्यों की राजनीति
SEMESTER IV
PAPER - I
STATE POLITICAL IS INDIAN

1. राज्यपाल – नियुक्ति, शक्तियां, वास्तविक स्थिति
मुख्यमंत्री – नियुक्ति, कार्य –शक्तियां, स्थिति
मंत्रिपरिषद –राज्य मंत्रिपरिषद के शक्तियां एवं कार्य
Governor - Appointment, Power and Position of Governor
Chief Minister - Appointment, Power, Function and Position
Council of Minister - Function and Power of State
2. राज्य व्यवस्थापिका – विधानसभा, विधान परिषद, राज्य विधान मण्डल के कार्य एवं शक्तियां
State Legislative - Legislative Assembly, Legislative Council, Power and function of State Legislative
3. राज्य न्यायपालिका : उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय गठन एवं कार्य शक्तियां
State Judiciary - High Court and Subordinate Courts: Composition, Function & Powers
4. राज्यों की स्वायत्ता की मांग–अर्थ, राज्य स्वयत्ता के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क
राज्य राजनीति को प्रभावित करने वाले कारक
Demand for State Autonomy- Meaning, Arguments in Favour and against of State Autonomy. Factors influencing State Politics
5. अंतर्राराज्यीय परिषद – Inter State Council
राज्य योजना आयोग – State Planning commission
राज्य निवार्चन आयोग– State elation commission

संदर्भ ग्रंथ –

भारतीय शासन एवं राजनीति एवं राज्यों की राजनीति–डॉ. पुखराज जैन/डॉ. बी. एल. फड़िया
भारतीय राजनीति और संविधान–सुभाष कश्यप
एम पी राय – भारतीय शासन व राजनीति रजनी
कोठारी – भारत में राजनीति
हरिशचन्द्र शर्मा – भारत में राज्यों की राजनीति
पुष्पेष पंत – राजनीति दल और दलगत राजनीति
माइनर वीनर – भारत में राज्य राजनीति
Iqbal Narayan - State Polictics in Indian
R. Kothari - Politics in India.
I.N. Sharma - The Indian Prime Minister
Prasad - Centre and State Powers Under

Indian Federation.

सेमेस्टर IV
पेपर – II
राजनयः सिद्धांत एवं व्यवहार
SEMESTER IV
PAPER - II
DIPLOMACY: THEORY AND PRACTICE

Unit-I : राजनयः अर्थ, परिभाषा, लक्ष्य, कार्य
Diplomacy: Meaning, definition, objective and function
राजनयः उत्पत्ति एवं विकास
Diplomacy: Origin and development
राजनय राष्ट्रीय शक्ति के साधन और यंत्र के रूप में, सीमाएं
Diplomacy as a means and tools, limitation

Unit-II: राजनय के प्रकारः नया एवं पुराना राजनय
Types of Diplomacy: Old and new diplomacy
नूतन प्रवृत्तियांः शिखर और संसदीय, प्रजातन्त्रात्मक और सम्मेलनीय, व्यक्तिगत राजनय, खुला एवं गुप्त राजनय
New trends: Summit and parliamentary, Democratic and conference, Personal diplomacy, Open and Secrete diplomacy

Unit-III: विभिन्न देशों की राजनय का स्वरूप– भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, इटली, फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र
Forms of diplomacy in different countries – India, America, Britain, Russia, China, Italy, France and United Nations.

Unit-IV: राजनयिक के गुण, राजनयिकों की कार्य प्रणाली, भाषा, श्रेणियां एवं उन्मुक्तियां
Qualities of diplomat, working of diplomat, language, their classes and immunities

Unit-V: भारतीय राजनय एवं संयुक्त राष्ट्र, संधिया एवं अंतर्राष्ट्रीय समझौते
महान राजनयज्ञों की भूमिका– कैसलरे, बिस्मार्क, वुडरो विलस, वी.के मेनन, के एस पनिक्कर, पी.वी नरसिंहराव
Indian diplomacy and United Nations, Treaties and International compacts
Role of Great diplomats – Castle-Reigh, Bismarhck, Woodrow Wilson, V.K. Menon, K.S. Pannikar, P.V. Narsimharao

संदर्भ ग्रंथ–

डॉ हरीशचन्द्र शर्मा, के के जैन – राजनय के सिद्धांत
के. एम पनिक्कर – राजनय
हरीश कुमार खत्री – राजनय
श्रीमती कृष्णा राय, राजनय के सिद्धांत एवं व्यवहार
पुष्पेश पंत – भारतीय राजनय
हरीश चन्द्र शर्मा – राजनय के सिद्धांत

वी के उपाध्याय – भारतीय राजनय एवं विदेश नीति
भाटिया एवं गुप्त – राजनय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठन
H. Kissureger – Diplomacy
H-G Nieolson – Diplomacy
L.B. Pearson – Diplomacy in Nuclear Age
S: Reinseh - Secret Diplomacy
S Mansingh – Indias Search for power
B. Prasad – Origins of Indi's Foreign policy

सेमेस्टर IV
पेपर – III
मानव अधिकारः समस्याएं और संभावनाएं
SEMESTER IV
PAPER - III
HUMAN RIGHTS: PROBLEMS AND PROSPECTS

Unit-I : मानव अधिकार– अर्थ परिभाषा, प्रकृति, और ऐतिहासिक विकास
Human Rights- Meaning, definition, nature and historical development.
मानव अधिकार – विभिन्न विचारधारा– उदारवादी, मार्क्सवादी, गांधीवादी
Human Rights – Different perspective: Liberal, Marxist, Gandhian.

Unit-II : भारत में मानव अधिकार और कर्तव्य
Human Right and duties in India
राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग– संगठन, उद्धेश्य, कार्य– शक्तियां, महत्व, भूमिका
National Human Rights commission- Organisation, Objects, function and power, importance, role.

Unit-III: महिला, बाल अल्पसंख्यक एवं शरणार्थियों के अधिकार
Rights of women, child, minority and refugees

Unit-IV: संयुक्त राष्ट्र एवं मानवाधिकार
United Nation and Human Rights
मानवाधिकार का सार्वभौमिक घोषणा
Univresal declaration of Human Right
मानवाधिकार का अंतर्राष्ट्रीय संरक्षणः नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकार
International protection of Human Rights- Civil, Political, Social and Economic Rights

Unit-V: सामूहिक अधिकारः आत्म निर्णय का अधिकार
Collective Rights, The Right of Self Determination
भारत में मानव अधिकारों की समस्याएं और संभावनाएं
Problems and Possibilities of Human Rights in India

संदर्भः–

रमेश प्रसाद गौतम, पृथ्वी पाल सिंह – भारत में मानव अधिकार
प्रो. आर.पी. जोशी – मानव अधिकार एवं कर्तव्य
व्ही.डी. महाजन – इंटरनेशलन लॉ

वेदालंकार – अंतर्राष्ट्रीय कानून
Amarta Sen – The Idea Justice
Upendra Baxi – The future of Human Right
S.N. Mishra – Public international law cultural law
S. Shubramanian – Human Right International challenge
T. Evans – The polities of Human Rights

सेमेस्टर IV
पेपर – IV
भारत में स्थानीय स्वशासन
SEMESTER IV
PAPER - IV
LOCAL SELF GOVERNMENT IN INDIA

Unit-I : स्थानीय स्वशासन– अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, कार्य, महत्व,
Local Sefl Govenment: Meaning, Definition, Features, Functions, Importance
स्थानीय स्वषासन के गुण–दोष
Merits – Demerits of Local self Government

Unit-II: भारत में स्वशासन का विकास
Evolution of local self government in India
73वां संवैधानिक संशोधन
73rd Constitutional Amendment
74वां संवैधानिक संशोधन
74rd Constitutional Amendment

Unit-III: ग्रामीण स्थानीय स्वशासन : संगठन, शक्तियां एवं कार्य, त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था, नियंत्रण
Rural Local self Government: Organisation, power and function Three tier Pacnhayati Raj System, Control

Unit-IV: नगरीय स्थानीय स्वशासनः संगठन, शक्तियां एवं कार्य (नगर निगम, नगर पालिका) वित्त व्यवस्था, नियंत्रण
Urban Local self Government: Organisation, power and function (Municipal Corporation, Municipal Council) Finance & Control over

Unit-V: स्थानीय स्वशासन में नौकरशाही, लोकपाल–लोकायुक्त, सूचना का अधिकार
Local self Government and Bureaucracy, Lokpal-Lokayukta, Right to information

संदर्भ –

भारतीय संघीय व्यवस्था एवं स्थानीय स्वशासनः हरीश कुमार खत्री
भारतीय प्रशासनः प्रो. मधुसूदन त्रिपाठी

भारतीय शासन तंत्र एवं राजनीति – डॉ. बी.एल फड़िया
H.C. Sharma -- Local Government in India (Hindi)
अशोक शर्मा -- स्थानीय स्वशासन
G. Ram Raddy – Panchayati Raj in India
S.R. Maheshwari – Local Government in India (Hindi – English)
S.R. Nigam – Local self Government
R.B. Jain – Pacnhayati Raj
A. Argal – Municipal Government in India